पुरा-वाहिनी (पेलियोचैनल) अध्ययन में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग: वर्तमान क्षमताएँ और भविष्य के रुझान पर लघु पाठ्यक्रम (हिन्दी में)- २०-२४ मई, २०२४
समय सारिणी
1600-1730 hrs

Short Course (in hindi) Schedule on
Applications of Geospatial Technology in Paleo channel Studies: Potential and Future Trends
May 20-24, 2024 Time: 1600-1730 hrs

Date	Time	Topic	Faculty
२०/०५/२०२४ 20/05/2024	1600-1730 hrs	**दबे हुए पेलियोचैनलों का पता लगाना एवं सक्रिय टेक्टोनिक्स के साथ लुप्त लिंक को उजागर करने के लिए जल निकासी नेटवर्क का पुनर्निर्माण** Detection of buried paleochannels, reconstruction of drainage network to unravel the missing link with active tectonics	डॉ. सुरेश कन्नौजिया Dr. Suresh Kannaujiya
२१/०५/२०२४ 21/05/2024	1600-1730 hrs	**पृथ्वी अवलोकन द्वारा नदियों और प्राचीन सभ्यताओं का अध्ययन** **Earth Observation for studying rivers and ancient civilizations**	Professor Rajiv Sinha प्रो. राजीव सिन्हा
२२/०५/२०२४ 22/05/2024	1600-1730 hrs	**पेलियोचैनल्स की रिमोट सेंसिंग: एक अवलोकन** Remote Sensing of Palaeo channels: An Overview	डॉ. आर.पी. सिंह Dr. R.P.Singh
२४/०५/२०२४ 24/05/2024	1200-1330 hrs	**लुप्त हो चुकी सरस्वती नदी के प्रवाह की विशेषताएँ : एक झलक** A Glimpse into discharge characteristics of lost Saraswati river	डॉ. गौरव कुमार Dr. Gaurav Kumar
२४/०५/२०२४ 24/05/2024	1600-1730 hrs	**अंतरिक्ष एवं भू आधारित सेंसर के उपयोग द्वारा सरस्वती पैलियोचैनल का अध्ययन** Integrated study of Saraswati Palaeo channels using Space to Ground sensors	डॉ. बी.के. भद्रा Dr. B.K. Bhadra